দামোদর ভ্যালি কর্পোরেশন
दामोदर घाटी निगम
**DAMODAR VALLEY CORPORATION**

प्रिय सहकर्मियो,

डीवीसी परिवार में मेरे शामिल होने के पश्चात् पिछले ढ़ाई महीने में काफी परिवर्तन हुआ है। निगम में एकत्व की एक ऐसी प्रबल भावना है, जो हमें आगे बढ़ने के लिए आश्चर्यजनक शक्ति प्रदान करती है। कोडरमा व दुर्गापुर एसटीपीएस दोनों की इकाई-I ने पूर्ण भार प्राप्त कर लिया है। उसी प्रकार, मेजिया व चंद्रपुरा ताविके प्रत्येक की एक-एक इकाई ने वाणिज्यिक प्रचालन शुरू कर दिया है। सभी परियोजनाओं में कार्य पूरी गति से चल रहे हैं तथा इस वित्त में मैथन राइट बैंक #1 व 2 (टाटा पावर के साथ एक संयुक्त उद्यम) के अतिरिक्त, चालू परियोजनाओं यथा; कोडरमा ताविके #1 व 2, डीएसटीपीएस #1 व 2, मेजिया ताविके चरण-II # 1 व 2, चंद्रपुरा ताविके #7 व 8 तथा रघुनाथपुर ताविके #1, को पूरा किये जाने की संभावना है। प्रचालन इकाइयों में हमारे कार्यनिष्पादन में सुधार न हो पाने के परिणामस्वरूप माँग और आपूर्ति के बीच काफी अंतर पैदा हो गया है और व्यापक वित्तीय हानि चेतावनी स्तर पर है। इन मामलों से निपटने तथा डीवीसी को बेहतर उद्योग के बराबर लाने के लिए हमने बहुत-सी नयी पद्धतियों की शुरुआत की है। मुझे यह विश्वास है कि टीम डीवीसी ऐसे अवसर पर अपने को अनुकूल बना लेगी तथा द्वितीय तिमाही (2012-13) के अंत तक इसे एक स्वरूप प्रदान कर देगी।

हम सभी जानते हैं कि किसी भी संगठन में, मानव संसाधन एक बहुत ही महत्वपूर्ण संसाधन है तथा संगठन की लाभप्रदता में यह अहम भूमिका निभाता है। यद्यपि, डीवीसी के मानव संसाधन ने अब तक इसकी सफलता में महत्वपूर्ण भूमिका निभायी है लेकिन अब इसको फिर से गठन करने का समय आ गया है जिससे कि यह लगभग 10,000 मेवा क्षमता-सम्पन्न एक प्रतिष्ठित कम्पनी की बड़ी जिम्मेवारियों को वहन करने में सक्षम हो सके।

जैसा कि किसी भी एक प्रतिष्ठित संगठन के मामले में यह पाया जाता है कि कार्यदल का एक बड़ा समूह एक समय-अवधि के बाद यह विचार करने लगता है कि कोई भी संगठन, संगठन एवं कर्मचारियों दोनों के समग्र हित में उनकी क्षमता का अधिकतम उपयोग कर उन्हें बेहतर अवसर प्रदान कर सकता था। इस प्रकार, संगठन के विकास की गति को तेज करने के लिए मानव संसाधन/औद्योगिक संबंध के विभिन्न पहलुओं पर कर्मचारियों की समझ का मूल्यांकन करने के लिए कर्मचारी संतुष्टि सर्वेक्षण करने की आवश्यकता बन जाती है।

उपर्युक्त को ध्यान में रखते हुए, हमने डीवीसी में चल रहे मानव संसाधन/औद्योगिक संबंध नीतियों, प्रणाली तथा पद्धतियों की प्रभावकता को आंकने के लिए संगठन वातावरण सर्वेक्षण संचालित करने के लिए एक प्रतिष्ठित व्यावसायिक फर्म यानी श्री राम सेन्टर फॅर इंडस्ट्रियल रिलेशन्स, ह्यूमन रिसोर्सेस, इकॅनामिक एण्ड सोसल डेवलप्मेंट, नई दिल्ली (एसआरसी) को इस कार्य के लिए नियुक्त किया है। एसआरसी, अन्यत्र बेहतरीन पद्धतियों के संदर्भ में द्रुत एवं प्रभावी विकास हेतु कर्मचारियों की भूमिका, चिंताजनक क्षेत्रों का पता लगाने के कार्य, कर्मचारियों के सभी संवर्गों हेतु प्रवेश तथा कैरियर योजना, यूनिफर्म कैरियर प्रोग्रेशन की समीक्षा, कार्यपालकों/गैर-कार्यपालकों आदि दोनों के स्थानांतरण नीति को प्रतिचिह्नित करेगा।

प्रबंधन के सभी अपेक्षित प्रयासों, विचारों तथा सरोकारों को प्राप्त करने के पश्चात्, एसआरसी कर्मचारियों के सर्वेक्षण हेतु एक पद्धति तैयार करेगा तथा तत्पश्चात् एसआरसी से जुड़े विशेषज्ञ डीवीसी के सभी प्रतिष्ठानों का दौरा करेंगे, समूह विमर्श के माध्यम कर्मचारियों के सभी वर्गों से मिलेंगे तथा प्रश्नावली एवं व्यक्तिगत साक्षात्कार के माध्यम राय प्राप्त कर अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत करेंगे।

मैं सभी कर्मचारियों से अनुरोध करता हूँ कि जब और जैसे ही एसआरसी विशेषज्ञ उनकी परियोजनाओं का दौरा करें वे अपने मूल्यवान सुझावों के साथ सामने आएँ जिससे कि उनकी अनुशंसाओं के आधार पर डीवीसी को देश के बेहतरीन संगठनों में से एक बनाने के स्वपन को पूरा करने के लिए अच्छी मानव संसाधन पद्धतियों का अनुपालन किया जा सके।

**(आर.एन. सेन)**
अध्यक्ष

1 सितम्बर, 2011